>

Title: Problems being faced by the farmers due to shortage of and unexpected rise in prices of fertilizers in Bihar and other parts of the country.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): सभापति महोदया, किसानों की पीड़ाएं अनंत हैं। तात्कालिक ढंग से अभी गेहूं का भाव सीज़न के मध्य में चल रहा है। किसान तबाह हैं क्योंकि उन्हें खाद नहीं मिल रही है। डीएपी और यूरिया की कीमतों में डेढ़-दो गुनी वृद्धि हो गई है। इससे किसान तबाह हैं। खाद के दाम बढ़ने से, खाद नहीं मिलने से बिहार के किसान तबाह हैं। देशभर में जहां-जहां रबी, गेहूं की खेती होती है, वहां यूरिया और डीएपी का भारी अभाव हो गया है। इस कारण उनके दामों में भी दो गुना वृद्धि हो गई है। कालाबाजारी होने की वजह से किसान महंगे दामों पर खाद खरीदने पर मजबूर हैं। एक तरफ लागत में खर्चा, खाद मिलने में अभाव, खाद की कीमत में वृद्धि और दूसरी तरफ किसान अपने धान को औने-पौने दामों पर बेचने को मजबूर हैं। सरकार ने मिनिमम सपोर्ट प्राइस की घोषणा की, लेकिन एफसीआई ने सैंटर नहीं खोले। वहां धान खरीदा नहीं जा रहा है, इसलिए किसान डिसट्रैस सैल के लिए मजबूर है।

हम आपके माध्यम से सरकार से मांग करते हैं कि वह इस बारे में एक वक्तव्य दे कि खाद की कीमतों में वृद्धि क्यों हुई, खाद की कितनी कमी है, उसकी आपूर्ति कैसे होगी, किसानों की क्या समस्याएं हैं और किसान ने जो धान, अनाज उपजाया है, उसकी खरीद कैसे हो ताकि वे डिसट्रैस सैल के लिए मजबूर न हों। एफसीआई मौजूद हो, मुस्तैद हो, नहीं तो जब किसानों की पीड़ाएं बढ़ेंगी, तो देश में भयानक संकट पैदा हो जाएगा। इसीलिए किसानों के लिए ये तीनों सवाल अहम हैं।

मेरी सभी माननीय सदस्यों से दरख्वास्त है कि इस बारे में सदन में बहस चलाई जाए और सरकार उसका उत्तर दे। मैं सरकार से वक्तव्य की मांग करता हूं। खाद की कमी, खाद की कीमत में वृद्धि, कालाबाजारी और साथ ही वे जो धान, चावल बेचने पर मजबूर हैं, उन्हें इसके लिए मिनिमम सपोर्ट प्राइस मिले। सरकार को इसके लिए प्रबंध करना चाहिए, नहीं तो जैसे-जैसे किसानों की समस्याएं बढ़ेंगी, उससे देश में संकट उपस्थित होगा। मेरी सरकार से दरख्वास्त है कि किसानों की समस्याओं का समाधान किए बिना कोई उपाय नहीं है।

सभापति महोदया : श्री राजेन्द्र अग्रवाल अपने आपको श्री रघुवंश प्रसाद सिंह के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।